राजसमंद में शाही लवाजमे के साथ निकली चून्दडी गणगौर की सवारी

- नवसंत्सवर से पूर्व ही उत्सवी माहौल में डूबे शहरवासियों ने पुष्पवर्षा कर किया स्वागत
- चून्दडी रंग में रंगा शहर, सवारी देखने के लिए उमड़ी भीड़

राजसमंद, (निसं)। ब्रज और मेवाडी संस्कृति की संगम स्थली प्रभु श्री द्वारकाधीश की पावन नगरी, जिसके स्वागत में करीब एक सप्ताह से दुल्हन सी सज-संवर रही थी आखिर सोमवार को वह दिन आ ही गया और जब चूंदडी गणगौर की सवारी परपंरागत रूप से ईशर-गणगौर माता को शहर की सैर करवाने निकली तो शहरवासियों का हुजूम उनके स्वागत-सत्कार में और उन्हें अपलक निहारने के लिए उमड पडा।

पुष्टि मार्ग की तृतीय पीठ प्रभु श्री द्वारकाधीश मंदिर से शृंगारित गणगौर की प्रतिमाओं और प्रभु श्री द्वारकाधीश की छवि के साथ पूरे ठाठ-बाट के साथ नई व आकर्षक झांकियों एवं परंपराओं के निर्वहन का सम्ममिश्रण करते हुए सवारी रवाना हुई। इस पर मंदिर के गोवर्धन चौक और उसके बाहर मौजूद हजारों श्रद्धालुओं ने प्रभु के गगनभेदी जयकारे लगाकर समूचे परिवेश को गुंजायमान करते हुए माहौल को भक्तिमय बना दिया। साथ ही परंपरागत वाद्यों तुरही, बांकिया व नगाडे के वादन से वातावरण काफी सौम्य एवं मधुर बन गया। इसके साथ ही बैंड-बाजों की चार टोलियों के द्वारा लोकगीतों व भक्ति संगीत की मधुर स्वर लहरियों ने वातावरण को पूरी तरह से उत्सवी बना दिया। सवारी में श्री द्वारकाधीश मंदिर के पीठाधीश गोस्वामी डॉ वागीश कुमार महाराज भी रथ में सवार होकर शामिल हुए। इस दौरान मंदिर से लेकर सवारी के पूरे मार्ग में शहर में चहुंओर चून्दडी गणगौर का ही रंग छाया रहा। सवारी में सबसे आगे ढोल-नंगाडे, करतब दखाते कलाकार एवं 45 घोडे और इसके पीछे ऊंट नगाडे की गूंज सवारी देखने की प्रतिक्षा में मार्ग में खडे लोगों को सवारी के जल्द ही पहुंचने की एक तरह से मुनादी कर रहे थे। सवारी में सैकडों की संख्या में नन्हीं बालिकाएं लहंगा-चूंदडी पहने अपने सिर पर जल कलश लिए धीरे-धीरे आगे की ओर कदम बढा रही थी। सवारी में शिव-पार्वती व राध-कृष्ण सहित विभिन्न देवी-देवताओं की आकर्षक झांकियां लोगों को भक्तिमय वातावरण में डूबो रही थीं। सवारी के बीच बग्घी व रथ पर लकडी से बनी चून्दडी के आकर्षक परिधानों व आभूषणों से सजी गणगौर प्रतिमाएं कुछ अलग ही छटा बिखेर रही थीं। इसके साथ ही परम्परानुसार सवारी में मंदिर से निशान लिए घुडसवार, फौज पलटन थी जो रियासत काल की परम्परागत शाही गणगौर की सवारी की यादें ताजा कर रही थीं। आदिवासी भील समाज के लोग भाले जमीन पर पटकते हुए आगे बढ रहे थे, जिनकी विशेष आवाज लोगों को अपनी ओर आकर्षित कर रही थी। वहीं, कच्छी घोडी कलाकारों के पांच ग्रुप सवारी में अलग-अलग स्थानों पर नृत्य पेश करते हुए चल रहे थे। सवारी के दौरान पूरे मार्ग में मध्यप्रदेश के धार से आए आदिवासी कलाकारों का नृत्य काफी आकर्षक थाए जिसे देखने के लिए लोगों की खासी भीड रही। इन कलाकारों ने अपरे विशेष वाद्य यंत्रों के साथ प्रस्तुति देकर लोगों को खासा आकर्षित किया। वहीं, जालोर से आई ढोल पार्टी ने अपने अनूठे ढोल वादन से जहां से भी गुजरे वहां मौजूद लोगों को नाचने पर मजबूर कर दिया। सवारी में भूतों की शिव बारात में शामिल भूत-प्रेत के वेश में बाबा भोलेनाथ के भजनों पर झूमते-नाचते और अपनी विशेष भाव-भंगिमाओं से लोगों को हंसाते हुए और मनोरंजन करते हुए चल रहे थे। बूंदी से आई शहरिया डांस ग्रुप की टीम ने भी अपनी डांस प्रस्तुति से शहरवासियों पर खासी छाप छोडी। इसके साथ ही पंजाब से आई महिलाओं ने भंगडा डांस की प्रस्तुति से माहौल को पंजाबमय बना दिया। इसके साथ ही सवारी में प्रभु श्री राम के दरबार की झांकी में राम-लक्ष्मण-जानकी और श्री हनुमानजी, सजकर रथ में सवार हुए। प्रभु श्री राधा-कृष्ण, मोर महारास की सुंदर प्रस्तुतियों ने भी लोगों को पुष्पवर्षा करने पर मजबूर कर दिया। इसके साथ ही सवारी में अन्य कई आकर्षक झांकियां एवं ढोल.नगाडा वादन से कलाकार पूरे मार्ग में श्रद्धलुओं का मनोरंजन करते हुए आगे बढ रहे थे। वहींए प्रभु श्री द्वारकाधीश के सुखपाल को कंधे पर उठाए चंवर ढुलाते श्रद्धालु साथ चल रहे थे। नगर के युवाओं के साथ ही हर आयु वर्ग के लोग आज चून्दड की मेवाडी पाग व अंगरखी पहने गले में चूंदड की ही इकलाई डाले हुए थे। श्रद्धालु गिरिराज धरण की जय, जय बोल श्री राधे...., पूंछडी के लौटा की हूक बोल मेरे प्यारे.... सहित कई जयघोष से वातावरण को गूंजाते हुए भक्तिमय माहौल बना रहे थे।

गणगौर महोत्सव के पहले दिन चूंदडी गणगौर पर रथ में सवार गणगौर माता।

राजस्थान दिवस पर निकली शोभायात्रा

डूंगरपुर, (निसं)। जिला प्रशासन डूंगरपुर के तत्वाधान में राजस्थान दिवस चौत्र शुक्ल प्रतिपदा पर विविध कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम लक्ष्मण मैदान से ढोल नगाड़ों के साथ शोभा यात्रा का आगाज हुआ। लोक कलाकारों के संस्कृति के रंग बिखेरते नृत्य एवं लोक वाद्य यंत्रों के साथ थिरकते कदमों के साथ मंगल कलश लेकर रंग बिरंगे परिधानों में महिलाएं, बालक-बालिकाएं, स्काउट-गाइड के बच्चों के साथ जनप्रतिनिधि गण, अधिकारी एवं कर्मचारी गण सम्मिलित रहें।

इस अवसर पर गैप सागर की पाल पर सूचना एवं जनसंपर्क कार्यालय द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का भी सभी ने अवलोकन किया तथा सराहना की।इसके पश्चात गैप सागर पाल पर ही सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नगर परिषद सभापति अमृतलाल कलासुआ, जिला कलक्टर अंकित कुमार सिंह, उपसभापति सुदर्शन जैन, समाजसेवी में बंसीलाल कटारा, अतिरिक्त जिला कलक्टर दिनेश धाकड़, मुख्य कार्यकारी अधिकारी हनुमान सिंह राठौड़, उपखंड अधिकारी डूंगरपुर सांवरलाल, अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी अनिल पहाडिय़ा, समस्त पार्षद गण, बतौर अतिथि मौजूद रहें। इस अवसर पर पश्चिम सांस्कृतिक केंद्र के लोक कलाकारों तथा स्थानीय कलाकारों के द्वारा कच्ची घोडी नृत्य, चरी नृत्य, चकरी नृत्य एवं अन्य रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गई।कार्यक्रम के दौरान महिला अधिकारिक सहायक निदेशक मोतीलाल मीणा, सहायक निदेशक जनसंपर्क छाया चौबीसा, सीडीपीओ डूंगरपुर पलात आदि मौमजूद रहे।

सार-समाचार

हत्या का मामला दर्ज

उदयपुर, (कासं)। पति की हत्या कर लाश को फंदे पर लटकाने वाली पत्नी व प्रेमी के खिलाफ फलासिया थाना पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीडित चुन्नीलाल पुत्र मगनलाल पारगी निवासी आमलिया ने अपनी मां थावरी पत्नी मगरन पारगी तथा उसके प्रेमी शंभू लाल निवासी आमलिया के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया। जिसमें पीडित ने बताया कि 29मार्च को सवेरे मेरे पिता बोरवाला नेरा आमलिया में फंदे पर शव लटका हुआ मिला। इस दौरान घर पर कोई नहीं था। सूचना मिलने पर घर पहुंचे।तब पिता की मौत हो चुकी थी। इधर सूचना मिलने पर फलासिया थानाधिकारी सीताराम ने मौके पर पहुंच कर मृतक को निचे उतार पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया। चुन्नीलाल ने अपनी मां थावरी व उसके प्रेमी शंभूलाल के बीच अवैध संबंध होने का हवाला देते हुए पिता की हत्या कर लाश को फंदे पर लटकाने की रिपोट्र दी है। जिसमें पिता की पीढ पर रगड़ के निशान पाए गए है। पुत्र ने हत्या कर घसीट कर पिता को लाकर फंदे पर लटकाने की आशंका व्यक्त करते हुए दोनों के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया है। जिसकी जांच थानाधिकारी कर रहे है।

हथियार बरामद, दो गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। शहर के बडगांव थाना पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर इनके कब्जे से अवैध पिस्टलय मय मैग्जीन, जिंदा राउण्ड व चाकू बरामद कर प्रकरण दर्ज किया। जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश ओझा, पुलिस उप अधीक्षक कैलाश चन्द्र के सुपरविजन में बडगांव थानाकिारी पूरणसिंह के नेतृत्व में गठित दल ने मुखबीर से मिली सूचना के आधार पर सोमवार को चन्द्रपालसिंह पुत्र नरेशसिंह निवासी गुर्जर गमान थानाप टॉडगढ ब्यावर हॉल सम्राट भवनशिव कॉलोनी शौभसागपुरा सुखेर को गिरफ्तार कर एक देशी पिस्टलय मय मैग्जिन, योगेश पुत्र रामचन्द्र निवासी नारायण निवास धोलीबावड़ी धामनण्डी हॉल गलीं नं. 6 सुखदेवीनगर बेदला खुर्द थाना सुखेर को गिरफ्तार कर इसके कब्जे से एक जिंदा राउण्ड व धारदार चाकू जब्त कर प्रकरण दर्ज किया।

हर्षोल्लास से मनाया गणगौर का त्योहार

डूंगरपुर, (निसं)। जिले सहित शहर में सोमवार को गणगौर तीज श्रद्धा भाव के साथ मनाया गया। इस अवसर पर शुभ, अभिजित मुर्हत में महिलाएं पुजा की थाल एवं साज श्रंगार पहने मंगलगीत गातें हुए मंदिरो में पहुंची। जहां पर विधी विधान के साथ तीज माता का पुजन किया गया ओर गणगौर माता को सर पर धारण कर क्षेत्र की खुशहाली की कामना की। तीज पर्व के तहत शहर के नवा महादेव, धनेश्वर महादेव, घाटी, लक्ष्मीनारायण मंदिर, तालाब की पाल स्थित शिव मंदिर, आरएनटी कोलोनी, हाउसिंग बोर्ड, सुभाषनगर सहित विभिन्न मंदिरो एवं ठाम्ब्यांचल देवस्थानो में महिलाओ की भारी उमडी। इस दौरान महिलाओं ने व्रत रख सुहाग की लंबी उम्र एवं परिवार की खुशहाली की कामना की।

ईद उल फितर हर्षोल्लास से मनाया

कपासन, (निसं)। कपासन में सोमवार को ईद उल फितर का त्योहार पूरे जोश और उल्लास के साथ मनाया गया। मोमिन मोहल्ला स्थित जामा मस्जिद चौक पर लोगों ने एक-दूसरे को गले मिलकर मुबारकबाद दी।जामा मस्जिद से शुरू हुआ जुलूस गुलाब सागर पाल स्थित ईदगाह तक पहुंचा। ईदगाह में नायब शहर काजी मोहम्मद शहीद ने सामूहिक नमाज अदा कराई। मौलाना अब्दुर्र रहीम अशरफी ने तकरीर पेश की। नमाज के दौरान हर चेहरे पर खुशी की रौनक दिखाई दी। छोटे बच्चों और जरूरतमंदों को ईदी दी गई।विभिन्न संगठनों के लोगों ने मुस्लिम समाज को बधाई दी। अंजुमन कमेटी के सदर अशफाक तुर्कफ़िया, हाजी जैनुद्दीन, कलाम भाई, एजाज अली,असलम बंटी, गुड्डू खान अन्य लोगों ने एसडीएम राजेश सुवालका, डीएसपी हरजीलाल यादव व थानाधिकारी रतन सिंह का अभिनंदन किय।

पूर्व केंद्रीय मंत्री व्यास की कुशलक्षेम पूछी

उदयपुर,(कासं)।पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ गिरिजा व्यास की अपने निवास पर ही गणगौर पूजा के समय दीपक से झुलसने की सूचना पर उदयपुर देहात जिला कांग्रेस अध्यक्ष कचरू लाल चौधरी, उदयपुर शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष फतह सिंह राठौड, उदयपुर देहात जिला कांग्रेस प्रवक्ता डॉ संजीव राजपुरोहित एवं उदयपुर शहर जिला कांग्रेस संगठन महामंत्री अरुण टांक ने डॉ गिरिजा व्यास के भाई प्रदेश कांग्रेस महासचिव गोपाल शर्मा से दूरभाष पर बात कर डॉ व्यास के स्वास्थ्य की जानकारी ली एवं ईश्वर से उनके जल्द से जल्द स्वस्थ होकर लौटने की कामना करी।

आकाश बागडी का इस्तीफा

उदयपुर,(कासं)।पटीक समाज राष्ट्रीय संगठन के अध्यक्ष पद से आकाश बागडी ने सोमवार को इस्तीफा संस्थापक अध्यक्ष को सौंप दिया है। बागडी ने बताया कि संगठन की रीति और नीति से मेल नहीं खाने के कारण उन्होंने यह कदम उठाया है।

पेसिफिक में नव आगन्तुक विद्यार्थियों का स्वागत

पेसिफिक में नव आगन्तुक विद्यार्थियों का स्वागत किया।

उदयपुर, (कासं)। पैसिफिक इंस्टियूट ऑफ मेडिकल साइंसेस, उमरडा, उदयपुर में नये स्नातकोत्तर विद्यार्थियों का स्वागत एवं प्रेरणा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पेसिफिक इंस्टियूट ऑफ मेडिकल साइंसेस में अभी तक 67 स्नातकोत्तर विद्यार्थी प्रति वर्ष भर्ती होते थे । इस वर्ष एन.एम.सी. द्वारा स्नातकोत्तर में 158 सीटे दी है । यह संस्थान के लिये गर्व का विषय है।

संस्थान में उपलब्ध बढिया इंफ्रास्ट्रक्चर एवं स्टाफ के कारण इस वर्ष एम.बी.बी.एस. में भी सीटों की अभीवृद्धि दी गयी है। पहले 150 एम.बी.बी.एस. विद्यार्थी प्रतिवर्ष प्रवेश लेते थे। इस वर्ष 200 एम.बी.बी.एस. विद्यार्थियों के लिये एन.एम.सी. ने सहमति पत्र प्रदान की है। इस समारोह में 158 नये स्नातकोत्तर विद्यार्थियों का स्वागत किया। संस्था के चेयरमैन आशीष अग्रवाल, शीतल अग्रवाल एवं नमन अग्रवाल प्रबंध निदेशक ने विद्यार्थियों के उज्जल भविष्य के लिये शुभकामनाऐं व्यक्त की । कुलपति डा. प्रशांत नाहर ने विद्यार्थियों को समर्पण से कार्य करने के लिए प्रेरित किया। कालेज के प्रधानाचार्य डा. सुरेश गोयल ने हिप्पोक्रेटिक ओथ की शपथ दिलाई।

गणगौर महोत्सव की रही धूम

बांसवाड़ा, (निसं)। सौभाग्य और समृद्धि की मनोकामना को लेकर सुहागिनों ने गणगौर की पूजा उपासना की जिसे लेकर गणगौर महोत्सव की सोमवार को धूम रही। कांकरिया ग्रीन केबी मॉल के पास इण्डस्ट्रीय एरिया ठीकरिया से गणगौर घाट तक भव्य शोभायात्रा मारवाडी सेवा समिति के तत्वावधान में निकाली गई। शोभायात्रा के दौरान वाद्य यन्त्रों की थाप पर श्रद्धालु करतल ध्वनियों के साथ मंगलगान करते हुए चल रहे थे। शोभायात्रा में सुसज्जित झांकियों में गणगौर की पूजित प्रतिमाओं को श्रद्धा एवं भक्ति के साथ विसर्जन के लिए ले जाया गया। राह में जगह-जगह शोभायात्रा का स्वागत किया गया। समिति के प्रवक्ता संदीप सुरेखा ने बताया कि श्रद्धालुओं ने पूजन और महाप्रसादी के साथ ही सांस्कृतिक मनमोहक प्रस्तुतियों का लाभ लिया। शोभा यात्रा एवं महाप्रसादी वितरण व्यवस्था में नित्य सुरेका, सौम्या, संजय मारवाडी, राकेश सोनी, गिरधारी अग्रवाल, अशोक शर्मा, बजरंग जांगिड़, वन्दना-संदीप सुरेका, किशन सिंह तंवर, नरपत जैन, नैना जैन, बजरंग शेखावत, रणजीत सिंह, मनोज अग्रवाल, इंद्रा अग्रवाल, निर्मला भारुका, सीमा केडिया, नंदनी दायमा, राजेश महेश्वरी आदि मौजूद रहे।

साहित्य समाज का प्रतिबिम्ब व दिशा बोध करने का अग्रणी माध्यम : प्रो ठाकुर

- समकालीन साहित्य और समाज विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी 21 अप्रेल को

बांसवाड़ा, (निसं)। साहित्य और समाज पूरक हैं एक तरफ जहां साहित्य समाज का प्रतिबिम्ब होता है वहीं दूसरी तरफ साहित्य केवल साहित्य का निदर्शन कराने तक नहीं रुकता अपितु समाज की बेहतरी और मानवीय मूल्यों की समस्त चराचर जगत में स्थापना का मार्ग भी सुझाता है। उक्त उद्गार कुलपति प्रो केशव सिंह ठाकुर ने जीजीटीयू की ओर से आगामी 21 अप्रैल को आयोजित होने वाले समकालीन साहित्य और समाज : परिदृश्य, चुनौतियां एवं संभावनाएं विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी के ब्रोशर के विमोचन अवसर पर व्यक्त किए।

प्रो ठाकुर ने अमर साहित्यकार मुंशी प्रेमचंद को उद्धत करते हुए बताया कि साहित्यकार का लक्ष्य केवल महफिल सजाना और मनोरंजन का सामान जुटाना नहीं है उसका दरजा इतना न गिराइये। वह देशभक्ति और राजनीति के पीछे चलने वाली सच्चाई भी नहीं बल्कि उनके आगे मशाल दिखाती हुई चलने वाली सच्चाई है। आयोजन सचिव अकादमिक अधिष्ठाता डॉ राकेश डामोर ने बताया कि संगोष्ठी के मुख्य अतिथि उदयपुर सांसद डॉ मन्नालाल रावत और ख्यात ललित निबंधकार और संस्कृतिकर्मी प्रो श्रीराम परिहार सारस्वत वक्ता रूप में पाथेय प्रदान करेंगे। डॉ डामोर ने बताया कि संगोष्ठी का मुख्य विषय समकालीन साहित्य और समाज के परिदृश्य को बारीकी से देखना, समझना, युगीन चुनौतियों को समझना, वर्तमान में गढ़े जा रहे विमर्शों की पडताल करना और भावी समय में साहित्य और समाज को दिशा-बोध प्रदान करना है। आयोजन सह सचिव डॉ मीनाक्षी अधिकारी ने बताया कि संगोष्ठी के विस्तृत उद्देश्यों, विषयों, उपविषयों, पंजीकरण की जानकारी ब्रोशर में अंकित कर दी गई है इच्छुक शोधार्थी एवं समीक्षक पंजीकरण करवा सकते हैं।

ब्रोशर विमोचन अवसर पर कॉलेज शिक्षा के जयपुर क्षेत्रीय सहायक निदेशक प्रो आलोक श्रीवास्तव, उदयपुर क्षेत्रीय सहायक निदेशक प्रो सतीश आचार्य, निदेशक शोध प्रो अलका रस्तौगी, परीक्षा नियंत्रक प्रो मनोज पंड्या, उपकुलसचिव प्रो लक्ष्मण लाल परमार, प्रभारी सम्बद्धता डॉ नरेन्द्र पानेरी, इंजीनियरिंग कॉलेज प्राचार्य डॉ अर्पित पाठक, सह आयोजन सचिव डॉ केसरीमल निनामा मौजूद रहे।

समकालीन साहित्य और समाज विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी के ब्रोषर का विमोचन करते जीजीटीयू कुलपति प्रो. केशव सिंह ठाकुर।

अवैध डोडाचुरा से भरी कार जब्त

उदयपुर, (कासं)। बैकरिया थाना पुलिस ने तलाशी अभियान के दौरान अवैध डोडा चुरा से भरी कार को जब्त कर प्रकरण दर्ज किया। जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर बैकरिया थानाधिकारी उत्तमसिंह के नेतृत्व में गठित दल ने नाकाबंदी के दौरान मुखबीर से संदिग्ध कार तेजावास बाकावास की तरफ जाने की सूचना मिली। ुलिस की टीम पिछा करते हुए बाकावास की तरफ पहुंची। चालक कार छोड़ कर जंगल की तरफ फरार हो गया।

बांसवाड़ा में हिन्दू नववर्ष पर हुए विविध कार्यक्रम

बांसवाड़ा, (निंस)। भारतीय हिन्दू नव वर्ष चैत्र शुक्ल प्रतिपदा विक्रम संवत 2082 के उपलक्ष में भारत विकास परिषद् जिला षाखा की ओर से विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

भाविप के संगठन सचिव कल्पेश मेहता ने बताया कि भारतीय नववर्ष हर्षोल्लास से मनाते हुए सुबह कलेक्ट्री चौराहे पर राहगीरो एवं नागरिकों का तिलक लगा मिश्री खिलाकर स्वागत एवं नववर्ष की बधाई दी गई। साथ ही नवसंवत्सर पर आयोजित शोभायात्रा में सहभागिता की गई। शाम को दीपदान, भव्य आतिशबाजी का कार्यक्रम गणगौर घाट पर आयोजित किया गया। भाविप के डॉ. युधिष्ठिर त्रिवेदी ने बताया कि इस पवित्र दिन को सृष्टि की रचना का प्रारंभ दिवस है, नवरात्रि का प्रारंभ, भगवान विष्णु का प्रथम अवतार, महर्षि गौतम का जन्मदिवस, विक्रम संवत का शुभारंभ दिवस, वरुणा अवतार झूलेलाल का जन्म दिवस, आर्य समाज स्थापना दिवस, भगवान रामजी का राज्याभिषेक, विक्रमादित्यजी का राज्याभिषेक एवं संघ संचालक डॉ हेडगेवार का जन्म दिवस है। भाविप मीडिया प्रभारी शैलेष गुप्ता ने बताया कि समाजसेवी डॉ.मुन्नवर हुसैन ने इस पवित्र दिवस पर परिषद् भवन के ऊपर सभागार निर्माण के लिये 51 हजार रूपये एवं भाविप अध्यक्ष हरेष लखानी ने 51 हजार रूपये सहयोग प्रदान करने की घोषणा की। भाविप के शान्तिलाल सेठ ने बताया कि यह सभागार वर्तमान एवं आने वाली पीढियों के लिए प्रेरणादायी एवं उपयोगी रहेगा। कार्यक्रम में डॉ रविन्द्रलाल मेहता, डॉ युधिष्ठिर त्रिवेदी, शाखा संरक्षक डॉ प्रदीप कोठारी डॉ. आशा मेहता, सरोज नगावत, लता कोठारी, राजेन्द्र द्विवेदी, निरज मेहता, सचिव गोपाल पण्ड्या, संगठन सचिव कल्पेश मेहता, कोषाध्यक्ष पियुष निमा, धर्मिष्ठा पंड्या, गायत्री शर्मा, डॉ मुन्नवर हुसैन, सकिना हुसैन, प्रकाष पण्ड्या, रजनीकान्त भट्ट, हिना भट्ट, दर्शना त्रिवेदी, मुकुल जोषी, विमला सेठ, वीना गुप्ता, नयना जैन, पदमा मालोत, दिलीप सागवाडिया, हरेन्द्र याज्ञिक, कमलेष दोसी, पुष्पेन्द्र पिंकु सराफ, संजय दोसी, अषोक गुप्ता, राजेष मेहता, भूमिका नेमा ,भूपेष मेहता, प्रिंस पटेल, विरेन्द्र पटेल, गोपेश मेहता, जुली मेहता, मनोज शाह, राजीव सराफ, चेतना सराफ, विजयलक्ष्मी दोसी, मनिष सोनी, प्रविणा सोनी, दीप कोठारी, षिखा कोठारी, कल्पना मेहता, प्रीति कुलश्रेष्ठ, प्रवीणा कलाल, राकेष कलाल, विनिता शाह, मुकुल शुक्ला, शैलेष गुप्ता, संजय गुप्ता, अनुपम मेहता, स्वपन मेहता आदि मौजूद रहे।

एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन

- विकसित भारत के लिए गुणवत्ता पूर्वक शोध और प्रयोगात्मक ज्ञान ही महत्वपूर्ण कारकः प्रोफेसर सारंगदेवोत

उदयपुर,(कासं)। बी एन फार्मेसी में इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स पर एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन हुआ।

भूपाल नोबल्स विवि फैकल्टी ऑफ फार्मेसी के डीन डॉ. युवराज सिंह सारंगदेवोत ने बताया कि भूपाल नोबल्स इंस्टिट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल साइंसेज में डिपार्टमेंट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी द्वारा डॉ. मीनाक्षी भरकतिया को मिली ग्रांट के तहत एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार विषयक इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स प्रोटेक्शन, चैलेंजेस एंड फ्यूचर प्रोस्पेक्ट्स का आयोजन किया । सेमिनार के मुख्य अतिथि फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया, नई दिल्ली के प्रेसिडेंट डॉ. मोंटु एम. पटेल थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में राजस्थान यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज, जयपुर के डिप्टी रजिस्ट्रार डॉ. राजेश यादव और डीएसटी, उदयपुर के प्रोजेक्ट ऑफिसर मनीष जैन उपस्थित थे। इसमें विवि के प्रेसिडेंट डॉ. चेतन सिंह चौहान ने सबका स्वागत किया। चेयरपर्सन कर्नल प्रो. शिव सिंह सारंगदेवोत ने बौद्धिक संपदा, वैश्विक पेटेंट पर उन्नति में पेटेंट की महत्ता, क्लिनिकल रिसर्च, जियोग्राफिकल इंडिकेशंस आदि पर विचार व्यक्त किए। उनका कहना था कि ज्ञान ही शक्ति है, ज्ञान ही संपदा है। हमारे श्रुति और व्याकरण, योग सभी पहले ज्ञान का प्रचार-प्रसार करते थे लेकिन आज की स्थिति में पेटेंट के प्रति हमें जागरूक बनना है और शोध संस्थाएं और विश्वविद्यालयों में पेटेंट अनिवार्य करना होगा। ज्ञान के माध्यम से ही भारत 2047 में विकसित बन पाएगा और हमें प्रैक्टिकल बातों पर ज्यादा चर्चा करनी होगी।

राजस्थान यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज के डॉ. राजेश यादव ने कहा कि और मोबाइल के दुष्प्रभाव का चैप्टर जोडना होगा। आलोक भार्गव, मेंबर, स्टेट काउन्सिल ने फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया के बारे में जानकारी दी और वैक्सीनेटर की पोस्ट और एग्जिट एग्जाम और फार्म डी के बारे में जानकारियां प्रदान की। फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया के प्रेसिडेंट डॉ. मोंटु कुमार एम. पटेल ने इंप्रोवाइजेशन, इंप्लीमेंटेशन ऑफ फार्मेसी रेगुलेशंस के एग्जीक्यूशन के बारे में बात की। संस्थान के सचिव डॉ. एम. एस. आगरिया ने कहा कि फार्मेसिस्ट को वक्त के साथ आगे बढते हुए इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स, ट्रेडमार्क, कॉपीराइट्स, ट्रेड सीक्रेट्स, जियोग्राफिकल इंडिकेशंस की चीजों को समझना होगा। इसके बाद सभी अतिथियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर साइंटिफिक सेशंस में डॉ. संजय कुमार पटेल (आईपी अटॉर्नी, एक्सेलोन अहमदाबाद), डॉ. भरत पागी (प्रिंसिपल आईपीआर कंसल्टेंट एंड फाउंडर, यूडीपेक कंसल्टेंसी प्राइवेट लिमिटेड, अहमदाबाद) और डॉ. विश्वमोहन मोदी (सीनियर मैनेजर, फॉर्मूलेशन एंड डेवलपमेंट, जाइडस लाइफ साइंसेज) ने व्याख्यानों से सभी उपस्थित छात्रों और अध्यापकों की जिज्ञासाओं का समाधान किया और उन्हें इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स के बारे में विस्तृत जानकारियां प्रदान की। इस अवसर पर पोस्टर प्रेजेंटेशन का भी आयोजन किया इसमें विजेता छात्र-छात्राओं को पुरस्कार से सम्मानित किया । मलेश्वर सिंह, राजेंद्र सिंह (वि. प्र.स.), डॉ. जयबालन (अलवर), डॉ. पी. के. चौधरी (पैसिफिक), डॉ. पी. एस. रावलोत (डीन, पीजी, बीएनयू), डॉ. एम. एस. राठौड, डॉ. हिमांशु, डॉ. उदयभान सिंह, डॉ. अल्का अग्रवाल, डॉ शैलेन्द्र भट्ट, डॉ एस एस सिसोदिया, डॉ पी एस नरुका, डॉ रविंद्र कांबले, डॉ जे एस वाघेला एवं विभिन्न फार्मेसी कॉलेज के प्राचार्य, फैकल्टी और गणमान्य भी उपस्थित थे। सेमिनार के दौरान विभिन्न सत्रों को डॉ जूही प्रधान, डॉ कमल सिंह राठौड, डॉ राघवेंद्र भदौरिया, डॉ गुंजन जादौन, डॉ जयेश द्विवेदी और उदिची कटारिया ने चेयर किया। संचालन डॉ. प्रियदर्शिनी कांबले ने किया। महाविद्यालय के डॉ. कोमल शर्मा, डॉ. अंजू गोयल, डॉ. आर. पी. एस. राठौड, डॉ. अमूल मिश्रा, डॉ. दीपक मारोठिया, डॉ. अनिरुद्ध सिंह, डॉ. अमित भार्गव, डॉ. नीलू झाला, डॉ. रजत वैष्णव, डॉ. गजेंद्र सिंह राठौड, डॉ. एन. एस. सोलंकी, प्रदीप सिंह चुंडावत, मूमल देवडा, एस. एस. दुलावत, सीमा मिश्रा आदि ने सहयोग किया।

गणगौर की सवारी का पुष्पवर्षा से किया स्वागत

राजशाही ठाठ से निकली गणगौर सवारी।

भीण्डर, (निसं)। राजमहल से विजय प्रतीक गणगौर की सवारी राजशाही ठाठ से निकाली गई। गणगौर सवारी देखने के लिए सैकड़ों की संख्या में महिला-पुरूष एकत्रित हुए। वहीं सवारी का विभिन्न जगहों पर पुष्पवर्षा से भव्य स्वागत किया और सुरजपोल चौराहे पर गणगौर दर्शन एवं सांस्कृतिक प्रस्तुति दी।

शाम 5.30 बजे राजमहल भीण्डर के गणेश चौक में भीण्डर राजपरिवार से दीपेन्द्र कंवर भीण्डर के नेतृत्व में जनानाओं ने गणगौर की आरती की। इसके बाद सवारी के लिए गणगौर माता को विदा किया। गणगौर को राजमहल से खुली जीप में सवार कर नगर के रावलीपोल, सर्राफा बाजार, नृसिंह मन्दिर रोड होते हुए सुरजपोल पर पहुंची। गणगौर सवारी में सबसे आगे अश्व चल रहे थे उनके पीछे बैण्डबाजे मधुर स्वर लहरियां बजाते चल रहे थे। इनके पीछे महाराज रणधीर सिंह भीण्डर व प्रणवीर सिंह भीण्डर के नेतृत्व में नगर एवं आसपास क्षेत्र के समस्त क्षत्रिय एवं नागरिक पारम्परिक वेशभुषा में चल रहे थे। सबसे अन्त में खुली जीप में गणगौर को राजशाही ठाठ से बिराजित कर रखा था।

बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda
रेलमगरा शाखा, जिला राजसमन्द, राजस्थान-313329
ई-मेल: railma@bankofbaroda.com

प्रतिभूतिहित (प्रवर्तन) नियम, 2002, परिशिष्ट IV [नियम 8(1) देखे]
कब्जा सूचना (अचल सम्पत्ति के लिए)

जबकि
निम्नहस्ताक्षरकर्ता **बैंक ऑफ बड़ौदा** के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन और प्रतिभूतिहित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 (2002 का अधिनियम संख्यांक 54) के अंतर्गत और धारा 13(12) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में, प्रतिभूतिहित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 3 के साथ पठित, ऋणी **मैसर्स गरीब नवाज पोल्ट्री फार्म प्रोपराईटर श्री मोहम्मद आरिफ पुत्र श्री अजीज मोहम्मद नीलगर** एवं जमानतदार **श्री अजीज मोहम्मद नीलगर पुत्र श्री बदर मोहम्मद एवं श्री ललित कुमार पालीवाल पुत्र श्री गोदू लाल पालीवाल** पर मांग सूचना दिनांक 21.12.2024 पर उस सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के भीतर **दिनांक 21.12.2024 को बकाया राशि रू. 5,09,077.92 (रूपये पाँच लाख नौ हजार सतहतर एवं पैसे बानवे मात्र) (दिनांक 21.12.2024 तक ब्याज शामिल करते हुए) एवं इससे आगे का ब्याज व अन्य खर्चे व लागतों** का पुनर्भुगतान करने के लिए मांग सूचना जारी की गई।
ऋणी द्वारा राशि का पुनर्भुगतान करने में असफल होने पर एतद्वारा सूचना ऋणी और आम जनता को दी जाती है कि निम्नहस्ताक्षरकर्ता ने दिनांक **26, माह मार्च, वर्ष 2025** को उक्त अ